मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नीमच के जावद में सांदीपनि विद्यालय (सीएम राइज स्कूल) के लोकार्पण समारोह में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किए। उन्होंने नीमच के रामपुरा (मनासा) के समारोह में प्रदर्शित एमएसएमई के उत्पादों का अवलोकन किया।

जावद में सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण,लैपटॉप वितरण

सुखानंद बनेगा धार्मिक पर्यटन केन्द्र, मुख्यमंत्री ने 785 करोड़ लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि-पूजन

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंदसौर और नीमच जिले के हर खेत को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई दो बड़ी राष्ट्रीय नदी जोड़ों परियोजना से पूरा मालवा क्षेत्र भी लाभान्वित होगा। किसानों को सोलर पम्प देकर उन्हें बिजली बिल से मुक्ति दिलाई जायेगी। किसान अब खुद सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन करेंगे।

अधिक बिजली उत्पादन होने की स्थिति में किसानों से सरकार बिजली भी खरीदेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को नीमच जिले के जावद में महर्षि सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 785 करोड़ रूपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किये। मुख्यमंत्री ने कहा कि जावद में बने महर्षि सांदीपनि विद्यालय का भवन बहुत ही अद्भुत और सर्व सुविधा युक्त हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व-स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रधानमंत्री के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालयों में सर्व संसाधन युक्त अधोसंरचना विकसित की गई है। इस विद्यालय में 1 कि.मी. से 15 कि.मी. दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषयवार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किये गये है।

सुविधि रेयॉन्स यूनिट मोरवन का भूमि-पूजन

डॉ. यादव ने सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड का भूमि-पूजन किया। इस परियोजना से नीमच को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह परियोजना 31 हेक्टेयर क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जाएगी, जिससे लगभग 2000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह इकाई फार्म टू फैशन की अवधारणा को रूप देगी, जिसमें कच्चे माल की खरीद किसानों से लेकर फिनिश्ड फैब्रिक तक की संपूर्ण प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संपन्न होगी। यह एक पूर्णत: एकीकृत टेक्सटाइल पार्क होगा, जिसमें 168 आधुनिक लूम्स, 30,000 स्पिंडल्स और तीन प्रोसेसिंग हाउस स्थापित किए जाएंगे। नीमच अब टेक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखने को तैयार है, जो मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के सपने की ओर अग्रसर करेगा।

मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि सुखानंद तीर्थ स्थल को धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। थड़ोद स्थित हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन किया जाएगा। सिंगोली स्थित स्वास्थ्य केंद्र का परीक्षण कर उन्नयन की कार्यवाही होगी। जावद में स्थित स्वास्थ्य केंद्र को 100 बिस्तरीय कर दिया जाएगा। डॉ. यादव ने कहा कि एशिया में चीते प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई है। मध्यप्रदेश ने इस प्रोजेक्ट में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। प्राणियों के लिए भी सरकार ने चिंता की है। चीते की मध्यप्रदेश में अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है। गांधीसागर में वन्य प्राणियों से लोगों को रोजगार मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इको सिस्टम अच्छा बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए। सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश नई दिशा की तरफ आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक सप्ताह कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है। आज नागरिकों के लिए बहुत ही खुशियों का अवसर है। शिक्षा के क्षेत्र में भारी बदलाव हुए हैं। सनातन संस्कृति, कृषि, उद्योग, शिक्षा के लिए सरकार ने काम किया है। साइबर तहसील के माध्यम से सारे काम ऑनलाइन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित किये गये। इसके साथ ही चीता आने से गांधी सागर अभयारण्य में पर्यटन की संभावना को नए पंख लगे हैं। पर्यटन का खजुराहो एक मार्ग था, अब दूसरा मार्ग नीमच से शुरू हुआ है। जवाद विधायक ओमप्रकाश ने कहा कि जावद की विकास परंपरा हमेशा आगे बढ़ने की रही है। आज जीवन में सबसे बड़ी खुशी का अवसर है। नीमच में उद्योग के निवेश से रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ेगी। और यह सब सरकार की प्रयासों संभव हुआ है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, विधायक दिलीप सिंह परिहार सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

बारह प्रतिशत की तेज गति से चल रही है औद्योगिक विकास दर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में जारी विकास प्रक्रिया से मध्यप्रदेश का परिदृश्य निरंतर बदल रहा है। स्कूल शिक्षा हो, पर्यटन हो या औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार सभी क्षेत्रों में प्रदेश प्रगति पथ पर अग्रसर है। सभी जिलों में विकास और जनकल्याण गतिविधियों के लिए अनुकूल वातावरण विद्यमान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नीमच जिले के रामपुरा में आयोजित विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नीमच-मंदसौर क्षेत्र राजस्थान का द्वार है और रामपुरा का प्राकृतिक सौंदर्य अभिभूत करने वाला है। औषधीय वनस्पति की राजधानी नीमच- मंदसौर को चीता प्रोजेक्ट और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से नई पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर मध्यप्रदेश में चीतों का पुनर्वास आरंभ हुआ। गांधी सागर क्षेत्र में चीतों के आने से मंदसौर-नीमच क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे, गांवों में होमस्टे जैसी सुविधाएं विकसित होंगी। स्थानीय व्यंजनों की पहचान वैश्विक स्तर पर बनेगी। इन सब गतिविधियों की ओर विश्व, आशा और जिज्ञासा से देख रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीमच और मानसा में छोटे ट्रैक्टरों को स्वच्छता रथ के रूप में विकसित करने की पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि औषधीय वनस्पतियों की खेती के लिए मंदसौर, नीमच राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है, इसके लिए यहां के किसान अभिनंदनीय हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार और रोजगार के अवसर निर्मित करने के लिए संभाग स्तर पर रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। सरकार के प्रयासों से 12 प्रतिशत की तेज गति से औद्योगिक विकास दर चल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रामपुरा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नवीन भवन निर्माण एवं रामपुरा नगर की सभी आंतरिक सड़कों के निर्माण की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि रामपुरा में रेस्ट हाउस भी बनाया जायेगा।

स्वराज शूटिंग की वस्त्र निर्माण इकाई का लोकार्पण: डॉ. यादव ने मेसर्स स्वराज शूटिंग द्वारा नीमच में 150 करोड़ की लागत से स्थापित वस्त्र निर्माण इकाई का लोकार्पण किया। प्रथम चरण में इस वस्त्र निर्माण इकाई में 750 महिलाओं को रोजगार मिल रहा है। डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रोजगार परक उद्योग स्थापित हो रहे हैं।

अखबार की रद्दी से बनाईं थैलियां और मेंहदी के कोन

भोपाल(काप्र)। धार जिला मुख्यालय पर स्थित महर्षि सांदीपनि (सीएम राइज) विद्यालय में रविवार को सहृदय, सीखें, सृजन करें, समाज से जुड़ें थीम पर आधारित ग्रीष्मकालीन शिविर का शुभारंभ राष्ट्रगान एवं मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ।

इस अवसर पालकगण भी उपस्थित थे। कक्षा केजी से लेकर 10 वीं तक के लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रथम दिन शिविर में सहभागिता की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. स्मृति रत्न मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। कक्षा 8 वीं की छात्राओं ने सरस्वती वंदना का

गायन किया। इसके बाद शिक्षक राकेश मुकाती द्वारा विद्यार्थियों और शिक्षकों को मेडिटेशन करवाया गया। शिविर में प्राचार्य डॉ. मिश्र ने मोबाइल के दुष्प्रभावों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल से ज्ञानवर्धक बातें सीखें और रील बनाने के चक्कर में न पड़ें। यदि रील बनाना ही है तो पढ़ाई लिखाई और अच्छी गतिविधियों की बनाएं। शिविर के प्रथम दिन रविवार को विद्यालय का माहौल रोज से अलग होकर उत्साहपूर्ण था। परंपरागत कक्षा शिक्षण से अलग हटकर रोचक गतिविधियां करते हुए लगभग 200 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न रोजगारपरक गतिविधियां करते हुए इन विधाओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण उन्हें खेल-खेल में और रोचक तरीके से दिया गया दिया गया। विद्यार्थियों को समूह में बांटकर उन्हें अखबार के रद्दी कागज से थैलियां बनाना सिखाया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने स्वयं अनेको थैलियां बनाई। कुछ विद्यार्थियों के समूह ने आर्ट एवं क्राफ्ट की बारीकियां सीखी तो कुछ ने पेंटिंग की। छात्राओं के एक समूह ने मेहंदी की डिजाइन बनाना और मेंहदी के कोन बनाना सीखा। इसके अलावा स्थानीय खेलकूद में भी अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने मैदानी अधिकारियों को दिए निर्देश...

जनकल्याण और सुशासन में दें योगदान

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनकल्याण के लिए अधिकारी मैदान में उतरें। नागरिकों को आवश्यक सेवाएं प्रदान कर, सुशासन की दिशा में अपना प्रभावी योगदान दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शानिवार रात मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंस द्वारा प्रदेश के कलेक्टर्स-कमिश्नर्स, एसपी, आईजी से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्देश दिए।

डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी जिलों में उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारी कानून व्यवस्था की स्थिति पर नजर रखें। पुलिस व्यवस्था चाक-चौबंद रहे। आमजन से अधिकारी-कर्मचारी का व्यवहार विनम्र और अच्छा हो। कार्यालयों में आने वाले नागरिक को समाधान प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेतों में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए। किसानों को सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे उपकरण अधिक संख्या में उपलब्ध करवाए जाएं। इससे किसानों को पराली जलाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और उनका समय भी बचेगा।

ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य का ध्यान रखें नागरिक

डॉ. यादव ने कहा कि नागरिकों को ग्रीष्मकाल में स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए आवश्यक प्रचार-प्रसार किया जाए। आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहें। बाजार में संक्रमित फल न बिकें, उस पर नजर रखी जाए। सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं का सहयोग लिया जाए। उन्होंने कहा कि जिलों और संभागों में सभी अधिकारी पारदर्शिता, नवाचार, परिश्रम से कार्य करते हुए नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए सक्रिय रहें। वीसी में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडियों में लुट रहे हैं गेहूं, मक्का और कपास उत्पादक किसानः माकपा

भोपाल(काप्र)। मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार और उसके मुख्यमंत्री जब खुद को किसान हितैषी होने का दावा कर रहे हैं, तब मंडियों में किसानों की लूट हो रही है और सरकार और प्रशासन की अनदेखी से साफ हो रहा है कि इस लूट में सरकार और उसका प्रशासन भी शामिल है।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने उक्त बयान जारी करते हुए कहा है कि डॉ मोहन यादव सरकार ने 175 रुपए बोनस के साथ गर्व से घोषणा की थी कि किसानों का गेहूं 2700 रुपए क्विंटल की दर से खरीदा जाएगा लेकिन मंडियों में किसानों का गेहूं 2200, से 2400 रुपए के बीच खरीदा जा रहा है। कैलारस मंडी में अधिकतम भाव 2380 रुपए है ।ग्वालियर की मुरार मंडी मे आज 2325 रूपए ही अधिकतम बोली रही है। और आदिवासी क्षेत्रों में तो अधिकतम 2200 रुपए में गेहूं खरीदा जा रहा है। एक ही क्विंटल में किसान की 500 रुपए तक की लूट हो रही है और सरकार और प्रशासन इसकी अनदेखी कर रहा है। माकपा नेता ने कहा है कि सिर्फ गेहूं उत्पादक किसान ही इस लूट से परेशान नहीं हैं। सरकार ने कपास का समर्थन मूल्य 7521 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है, मगर शुरुआती कुछ दिनों को छोड़ किसानों को 6000 रुपए क्विंटल से ज्यादा भाव नहीं मिल रहा है। जाहिर है कि एक क्विंटल पर यह लूट 1521 रुपए है। जसविंदर सिंह ने कहा है कि मक्का उत्पादक किसान भी इस लूट का शिकार हो रहे हैं। मक्के का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2225 रुपए क्विंटल होने के बावजूद उन्हें 2000 से 2100 के बीच मक्का बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने कहा है कि यह लूट सिर्फ मंडी में बिचौलिए ही नहीं कर रहे हैं। सरकारी खरीद एजेंसियों की निष्क्रियता और बदनीयती भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। यह लूट राजनीतिक संरक्षण में हो रही है। भाजपा सरकार इस लूट के लिए जिम्मेदार है।

स्पेशल खबर *मुख्यमंत्री ने गांधी सागर में 2 चीतों के छोड़े जाने के अवसर पर दी प्रदेश के नागरिकों को बधाई...*

प्रदेश के वन और वातावरण है चीतों के अनुकूल

भोपाल(काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के गांधी सागर अभयारण्य में चीतों के छोड़े जाने पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। डॉ. यादव ने कहा कि गाँधी सागर अभयारण्य में दो चीते छोड़े जाने का अवसर प्रसन्नता का विषय है। इस लुप्त प्राय: प्रजाति के वन्य प्राणी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से सितंबर 2022 में मध्यप्रदेश में पहली बार लाया गया था। अब इन चीतों का कुनबा बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदसौर जिले के गाँधी सागर अभयारण्य में दो चीतों को छोड़ा जाना एक महत्वपूर्ण कदम है। चीता प्रोजेक्ट मध्यप्रदेश की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है। मुख्यमंत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य भारत में चीतों की संख्या बढ़ाना और उनकी प्रजाति को बचाना है। इसमें हमें सफलता भी मिल रही है। गाँधी सागर अभयारण्य प्रदेश का दूसरा ऐसा स्थान है, जहाँ चीतों को बसाया जा रहा है। वन्य जीव पर्यटन की दृष्टि से आज एक ऐतिहासिक दिन है। आपने कहा कि चीतों की संख्या बढ़ाने के लिए दक्षिण अफ्रीका, केन्या और बोत्सवाना से चीतों को लाकर मध्यप्रदेश के जंगलों में बसाया जा रहा है। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में वर्तमान में 26 चीते हैं। डॉ. यादव ने कहा कि दुनिया के अन्य देशों में भी चीता पुनर्स्थापन के प्रयास हुए लेकिन उतनी सफलता नहीं मिल सकी। भारत में यह प्रोजेक्ट सफल हो रहा है। यहां चीतों की सर्वाइवल की दर अन्य देशों की अपेक्षा सर्वाधिक है। मध्यप्रदेश के वन और वातावरण चीतों के अनुकूल है।

प्रदेश में कूनो के बाद गांधी सागर भी इनका घर बन रहा है। गाँधी सागर पश्चिमी मध्यप्रदेश में स्थित एक वन्य अभयारण्य है। डॉ. यादव ने कहा कि यह अभयारण्य प्रदेश के उज्जैन संभाग में मंदसौर और नीमच जिले में फैला हुआ है। कई सौ साल पहले क्षेत्र में जरूर चीते रहे भी होंगे। विलुप्त होने के वर्षों बाद अब उनका पुन: आगमन वन्य जीव पर्यटन के लिए भी शुभ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गांधी सागर अभयारण्य शैल चित्रों के लिए विश्व प्रसिद्ध चतुर्भुज नाला का हिस्सा है। निश्चित ही क्षेत्र में पर्यटन बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विरासत के संरक्षण के साथ-विकास के मंत्र पर मध्यप्रदेश कार्य कर रहा है।

गुरु अर्जन देव के प्रकाश पर्व पर दीं शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिख धर्म के पांचवें गुरु, संत शिरोमणि गुरु अर्जन देव जी के प्रकाश पर्व पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी का संपूर्ण जीवन सेवा, त्याग और मानव कल्याण का प्रतीक है। उनके विचार सर्वदा हम सभी को सत्य, सहिष्णुता और धर्मनिष्ठा के मार्ग पर दृढ़तापूर्वक अग्रसर होने की प्रेरणा देते रहेंगे।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com